देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 56 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
सामाजिक पहलू

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 31 मई 2022

मौसम अधिकतम 35.0° न्यूनतम 24.0°

40243.38

2 चीन में धीमी पड़ी कोरोना की रफ्तार
7 हार्दिक पांड्या को लोग क्यों करते हैं प्यार

हम बच्चों की हर तरह से करेंगे मदद

कोरोना में अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम मोदी का बड़ा एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से फंड ट्रांसफर की। इस योजना के तहत अनाथ बच्चों के बैंक खातों में पीएम केयर्स फंड से छात्रवृत्ति भेजी गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मैं प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, आपके परिवार के एक सदस्य के तौर पर आपसे बात कर रहा हूं। आज आप सभी बच्चों के बीच आकर मुझे बहुत सुकून मिला है। जीवन हमें कई बार अप्रत्याशित मोड़ पर लाकर खड़ा कर देता है। ऐसी परिस्थितियां जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की होती हैं, हंसते–खेलते अचानक अंधेरा छा जाता है।

कोरोना ने अनेकों लोगों के जीवन में, अनेकों परिवार के साथ ऐसा ही कुछ किया है। मैं जानता हूं कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके जीवन में आया ये बदलाव कितना कठिन है।

पिछले साल लहन्च की गई थी योजना

सरकार ने यह योजना पिछले साल 29 मई को लॉन्च की थी। इसके तहत 11 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2022 के बीच कोरोना महामारी के चलते अपने माता–पिता, कानूनी अभिभावक, दत्तक माता–पिता या माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की मदद की जाती है।

बच्चों को हर महीने मिलेंगे 4 हजार रुपये

पीएम ने कहा कि अगर किसी को प्रोफेशनल कोर्स के लिए, हायर एजुकेशन के लिए एजुकेशन लोन चाहिए होगा, तो पीएम केयर्स उसमें भी मदद करेगा। रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपए हर महीने की व्यवस्था भी की गई है। ऐसे बच्चे जब अपने स्कूल की पढ़ाई पूरी करेंगे, तो आगे भविष्य के सपनों के लिए और भी पैसों की जरूरत होगी। इसके लिए 18–23 साल के युवाओं को हर महीने स्टाइपेंड मिलेगा और जब आप 23 साल के होंगे तब 10 लाख रुपये आपको एक साथ मिलेंगे।

कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलें कम करने प्रयासः पीएम मोदी ने आगे कहा कि जो चला जाता है, उसकी हमारे पास सिर्फ चंद यादें ही रहा जाती हैं, लेकिन जो रहा जाता है, उसके सामने चुनौतियां का अंबार लग जाता है। ऐसी चुनौतियों में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन्स आप सभी ऐसे कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलें कम करने का एक छोटा–सा प्रयास है। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन इस बात का प्रमाण है कि हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता से आपके साथ है। मुझे संतोष है कि बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए उनके घर के पास ही सरकारी या प्राइवेट स्कूलों में उनका दाखिला कराया जा चुका है।

अनाथ बच्चों को मिलेगा ये लाभः इसके तहत प्रत्येक बच्चे को 20 हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी जाती है। इसके अलावा बच्चों को आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पीएम केयर्स फार चिल्ड्रेन पासबुक और हेल्थ कार्ड भी प्रदान किया जाएगा। इस योजना के तहत सरकार को 23 राज्यों के 611 जिलों से 9,042 आवेदन मिले थे। इनमें से 31 राज्यों के 557 जिलों के 4,345 आवेदनों को मंजूरी मिली।

क्या है पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना

इस योजना का उद्देश्य बच्चों को भोजन और घर उपलब्ध कराकर उनकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ऐसे बच्चों को शिक्षा और स्कॉलरशिप के जरिए सशक्त बनाने के साथ 23 साल की उम्र में 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह स्कीम हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए ऐसे बच्चों की सेहत का भी ख्याल रखती है। इसके तहत उन्हें 5 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा। रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपए हर महीने की व्यवस्था की गई है।

23 साल की उम्र होने पर 10 लाख रुपये मिलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना मामलों में एक दिन बाद फिर गिरावट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में कोरोना मामलों में एक दिन बाद फिर गिरावट देखने को मिली है। कई दिनों से कोरोना के नए मामलों में एक ही ग्राफ देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटों में 2,706 नए कोविड 19 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि एक्टिव मामलों में इजाफा देखने को मिला है। एक्टिव केस अब 17,698 पर पहुंच गए हैं।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू तीन देशों के दौरे पर हुए रवाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू सोमवार को तीन देशों गैबान, सेनेगल और कतर के दौरे पर रवाना हो गए। किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की इन तीन देशों की पहली यात्रा है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब कतर और भारत अपने कूटनीतिक संबंध स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

उत्तराखंड के कई जिलों में होगी भारी बारिश

देश के बाकी हिस्सों के लिए भी जारी हुआ अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय विज्ञान मौसम विभाग ने सोमवार को उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में तेज हवाओं और गरज के साथ भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने कहा कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में आज और कल भारी बारिश होगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार शाम को हुई हल्की बारिश के बाद लोगों को गर्मी से थोड़ा राहत मिली हुई है।

सोमवार को भी दिल्ली–एनसीआर के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई है। पश्चिमी दिल्ली, उत्तर–पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण–पश्चिम दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में 30 से 50 किमी ६ घंटा की गति से तेज हवाएं चलने के साथ जोरदार बारिश हुई। दोपहर के बाद मौसम विभाग ने दिल्ली– एनसीआर के कई क्षेत्रों के लिए भी बारिश का अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा के रोहतक, भिवानी, चरखी, दादरी, मटनहेल, झज्जर, फरुखनगर, कोसली, सोहाना, रेवाड़ी, पलवल, बावल, नूंह, औरंगाबाद, होडल में बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के सिकंदर राव, हाथरस में भी गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने के साथ बारिश हुई है।

दिल्ली में हुई झमाझम बारिश के बाद जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। यह तस्वीर केंद्रीय सचिवालय स्थित रफी मार्ग की है।

खराब मौसम के चलते उड़ानों को किया गया डायवर्टः दिल्ली में खराब मौसम के चलते आठ उड़ानों को जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, अहमदाबाद, देहरादून के लिए डायवर्ट किया गया है। यह जानकारी समाचार एजेंसी एएनआइ के दिल्ली हवाई अड्डे के सूत्रों द्वारा मिली है। जम्मू–कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान हल्की बारिश के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है।

केरल, कर्नाटक और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ेगा मानसून

दूसरी ओर दक्षिण–पश्चिम मानसून ने 1 जून की अपनी सामान्य तारीख से तीन दिन पहले रविवार को केरल में दस्तक दिया है। मौसम विभाग ने कहा कि केरल में शनिवार से बारिश हो रही है और राज्य में अब तक 2.5 मिमी से अधिक बारिश हुई है। मानसून केरल और तमिलनाडु और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है।

उत्तराखंड से भाजपा ने कल्पना सैनी पर जताया भरोसा

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी ने शिक्षाविद एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डा. कल्पना सैनी को राज्यसभा का सदस्य का उम्मीदवार घोषित किया है। डा. कल्पना सैनी लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई हैं। उनके पिता स्व. डा. पृथ्वी सिंह विकसित 1991 में पहली बार भाजपा के टिकट पर रुड़की विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे और उत्तर प्रदेश में सिंचाई राज्यमंत्री रहे हैं।

रुड़की के आवास विकास में रहने वाली डा. कल्पना सैनी भाजपा की हरिद्वार जिले की जिला अध्यक्ष रहीं। इसके अलावा उन्होंने रुड़की के श्री गांधी महिला शिल्प इंटर कालेज से शिक्षण कार्य शुरू किया। उन्होंने संस्कृत से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। बाद में वह इस विद्यालय की प्रधानाचार्य भी रही। इसके बाद उनको भाजपा सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष मनोनीत किया था। डा. कल्पना के पति डा. नाथीराम सैनी आयुर्वेद चिकित्सक हैं वह भी समाज सेवा में सक्रिय हैं। उनके दो संतान एक बेटा और एक बेटी। रुड़की शहर के लिए यह पहला मौका है जब कोई स्थानीय व्यक्ति पहली बार राज्यसभा में जा रहा है।

घोषणा

- संगठन के प्रति निष्ठा ने बनाई उनकी राह आसान

पार्टी के अनुशासन पर दिया जोरः डा. कल्पना सैनी रुड़की और कलियर विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी करती रहीं। हमेशा उन्होंने पार्टी फोरम पर ही अपनी बात कही और पार्टी अनुशासन पर उन्होंने हमेशा जोर दिया। डा. कल्पना सैनी को राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता डा . पृथ्वी सिंह विकसित संघ का बड़ा चेहरा रहे हैं। इसके अलावा वर्ष 1991 में वह भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते और उनको उत्तर प्रदेश सरकार में सिंचाई राज्यमंत्री बनाया गया था।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

यूपीएससी में दीक्षा ने बढ़ाया उत्तराखंड का मान

संवाददाता

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सुरेश जोशी की हैं बेटी

पिथौरागढ़। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट सोमवार को जारी कर दिया गया है। इस बार बेटियों ने हैट्रिक लगाई है। उत्तराखंड में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी की बेटी दीक्षा जोशी ने भी यूपीएससी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 19वीं रैंक हासिल की है। परिणाम घोषित होने के बाद से ही घर में जश्न का माहौल है। बधाई देने के लिए लोग लगातार फोन कर रहे हैं और उनके घर पहुंच रहे हैं।

संघ लोक सेवा आयोग ने फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। टॉपर्स की बात करें तो पहले स्थान पर श्रुति शर्मा हैं। जबकि, अंकिता अग्रवाल दूसरे और गामिनी सिंगला तीसरे नंबर पर हैं। टॉपर श्रुति शर्मा बिजनौर की रहने वाली हैं। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कालेज व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की है। रिजल्ट यूपीएससी की आफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर देखी जा सकती है। यूपीएससी में 19वीं रैंक के साथ सफल दीक्षा की इंटर तक की पढ़ाई पिथौरागढ़ के मल्लिकार्जुन स्कूल से हुई है।

न्यूज डायरी

चीन में धीमी पड़ी कोरोना की रफ्तार, बीते 24 घंटे में मिले 20 नए केस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस के मामले धीरे–धीरे कम हो रहे हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, देश पिछले 24 घंटों में 20 नए कोविड–19 के मामलों की पुष्टि की गई है। जिसमें बीजिंग में आठ और तियानजिन और शंघाई में छह–छह मामले शामिल हैं। बीजिंग नगरपालिका स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को कहा कि बीजिंग में रविवार को आठ नए स्थानीय रूप से प्रसारित कोविड–19 मामले और चार स्थानीय स्पर्शोन्मुख मामलों की पुष्टि की गई थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को 50 कोविड–19 रोगियों को ठीक होने पर अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई थी। नगरपालिका स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को कहा कि चीन के शंघाई में रविवार को छह स्थानीय रूप से प्रसारित कोविड–19 मामले और 61 स्थानीय स्पर्शोन्मुख मामलों की पुष्टि की गई थी। रविवार को 215 कोविड–19 रोगियों के ठीक होने के बाद चीन में 2,748 कोविड–19 से पीड़ित मरीजों का इलाज चल रहा है।

राष्ट्रपति बाइडन ने दी श्रद्धांजलि, 19 स्टूडेंट और 2 टीचर की हुई थी मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। टेक्सास एलिमेंटरी स्कूल गोलीबारी कांड में मारे गए 19 छात्रों और दो शिक्षकों के लिए आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने भी हिस्सा लिया। गोलीबारी में अपनों को खोने वालों को सांत्वना देने के लिए बाइडन दूसरी बाद उवाल्दे गए थे। बाइडन 17 मई को न्यूयॉर्क के बफेलो गए थे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। सुपरमार्केट में हुई नस्लीय हिंसा में 10 अश्वेत लोगों की हत्या की बाइडन ने आलोचना की। बाइडन ने घटना में मारे गए 21 लोगों के लिए रॉब एलिमेंटरी स्कूल के बाहर लगाए गए 21 सफेद क्रॉस पर श्रद्धांजलि दी। टेक्सास स्थित उवाल्दे के प्राथमिक स्कूल में गोलीबारी के बाद देशभर के स्कूल अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर रहे हैं और आगंतुकों की संख्या सीमित कर दी है।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने एक बार फिर से भारत की प्रशंसा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मौजूदा संघीय गठबंधन सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि अमेरिकी गुलामों ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी हैं, जबकि भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदा और कीमतें कम कीं। इससे पता चलता है कि भारत स्वतंत्र है लेकिन हम (पाकिस्तानी) गुलाम हैं। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान ने रविवार को चारसद्दा के शेखाबाद में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करने के लिए भारत की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से कच्चे तेल का आयात किया। इमरान खान ने कहा कि हमारी सरकार ने रूस के साथ 30 प्रतिशत रियायती दरों पर तेल खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। हमारी सरकार को एक साजिश के तहत हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की त्वरित प्रगति के लिए एक स्वतंत्र विदेश नीति अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्ण तरीकों से वंचित किया गया तो वे अपने अधिकारों को छीन लेंगे।

उत्तर कोरिया ने हटाया देशव्यापी लाकडाउन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग में एक सप्ताह पहले लगाए गए लाकडाउन को हटा लिया है। कोरोना के प्रकोप के सामान्य होने के चलते किम जोंग उन ने यह फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वायरस की स्थिति नियंत्रण में आने के चलते देशव्यापी लाकडाउन को हटाया गया है। बता दें कि देश में कोरोना का पहला केस सामने आने के बाद टीकों की कमी, चिकित्सा आपूर्ति और भोजन की कमी के मद्देनजर लाकडाउन लगाया गया था। यह जानकारी जापान की क्योडो समाचार एजेंसी ने बीजिंग के एक स्रोत का हवाला देते हुए बताई है।

तारा एयर के विमान में सवार सभी 22 लोगों की मौत की आशंका

हादसा

सोमवार सुबह फिर शुरू हुआ था तलाशी अभियान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल के तार एयर का 9 छन्ए विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में चार भारतीय सहित 22 लोग सवार थे। विमान सुबह लापता होने के कुछ घंटे बाद ही मस्टैंग जिले के कोवांग गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। सोमवार को नेपाल की सेना दुर्घटना स्थल पर पहुंची और 16 शवों को बरामद किया। शवों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। वहीं, नेपाल गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव व प्रवक्ता फणींद्र मणि पोखरेल ने संदेह व्यक्त किया है कि विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई है।

शवों की नहीं हो रही पहचान

पुलिस निरीक्षक राज कुमार तमांग के नेतृत्व में एक टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के शवों की पहचान अभी नहीं हो पा रही है। नेपाली सेना के प्रवक्ता के मुताबिक, 15 जवानों की एक टीम को शवों को निकालने के लिए दुर्घटनास्थल के पास उतारा गया है।

नेपाली सेना के मुताबिक, तारा एयर के विमान की तलाश के लिए सुबह तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया है। रविवार को मस्टैंग जिले में बर्फबारी के बाद तलाशी अभियान को रोक दिया गया।

चार भारतीय भी थे विमान में सवारः स्थानीय लोगों द्वारा नेपाल सेना को दी गई जानकारी के अनुसार, तारा एयर का विमान मनापति हिमाल के भूस्खलन के चलते लामचे नदी के मुहाने पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 19 सीटर के इस विमान में 4 भारतीय, 3 विदेशी और 13 नेपाली नागरिक सवार थे। सूत्रों के अनुसार, सेना के अधिकारियों को दूर से धुआं उठते हुए दिखाई दिया, जिसके बाद विमान का पता चल सका।

रविवार सुबह विमान ने भरी थी उड़ानः नेपाल में तारा एयर के एक विमान ने रविवार सुबह उड़ान भरी थी। एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, तारा एयर के डबल इंजन विमान ने सुबह पोखरा से जोमसोम के लिए उड़ान भरी थी। आखिरी बार विमान से सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर संपर्क हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि विमान केवल 15 मिनट की उड़ान के लिए गया था और इसमें 22 यात्री सवार थे। विमान के 5 घंटे के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर क्रैश होने की आशंका जताई गई थी। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि मस्तंग जिले के कुछ स्थानीय निवासियों ने खैबांग क्षेत्र में तेज आवाज सुनी है, लेकिन खराब मौसम और कठिन भौगोलिक इलाके के कारण, सुरक्षाकर्मी और स्थानीय लोग संदिग्ध दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच सके। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता देवचंद्र लाल कर्ण ने कहा था कि एक आपातकालीन लोकेटर ट्रांसमीटर (ईएलटी) के आधार पर उन्होंने खैबांग में संभावित क्षेत्र का पता लगाया है। ईएलटी एक आपातकालीन बीकन है, जिसका उपयोग विमान में बचाव अधिकारियों को सतर्क करने और संकट में एक विमान के स्थान और पहचान को इंगित करने के लिए किया जाता है।

दुनिया में तेज़ी से पैर पसार रहा मंकीपॉक्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। मंकीपॉक्स के मामले अब कई देशों में बढ़ने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रविवार को बताया कि गुरुवार तक आए आंकड़ों के मुताबिक 23 देशों में 257 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं 120 संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट सामने आई है। ये सभी वह देश हैं जहां मंकीपॉक्स आम तौर पर नहीं पाया जाता। अमेरिका में रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार दोपहर तक आठ राज्यों में 12 मामले दर्ज किए।

WHO ने कहा कि पांच अफ्रीकी देशों में जहां मंकीपॉक्स आमतौर पर पाया जाता है वहां 1365 मामलों और 69 मौतों की रिपोर्ट मिली है। दिसंबर से लेकर मई के बीच अलग–अलग समय में ये मामले मिले हैं। वहीं 23 देशों में मंकीपॉक्स से अभी तक कोई मौत नहीं हुई है। रविवार को WHO ने कहा कि 2017 के बाद से पश्चिम अफ्रीका में मंकीपॉक्स से पीड़ित लोगों की कुछ मौतें कम उम्र या HIV संक्रमण के कारण हुई हैं।

WHO ने कहा कहा कि वैश्विक रूप से महामारी के जोखिम का स्तर मध्यम है। एजेंसी ने आगे बताया कि यह पहली बार है जब मंकीपॉक्स के मामले व्यापक रूप से असमान भौगोलिक क्षेत्रों जैसे पश्चिम या मध्य अफ्रीका में फैले हैं।

रूस के यूक्रेन पर हमले से जापान अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्योटो। यूक्रेन पर रूस के हमले से जापान पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपनाई गई अपनी रक्षात्मक रणनीति को छोड़ते हुए अब पहले हमला करने की ताकत जुटाना शुरू कर दिया है। यही नहीं जापान अपने रक्षा बजट को भी दोगुना करने की तैयारी कर रहा है। जापान को रूस और चीन दोनों के हमले का खतरा मंडरा रहा है। जापान यह तैयारी ऐसे समय पर कर रहा है जब पुतिन और शी जिनपिंग दोनों ही आक्रामक रुख को अपनाते हुए टोक्यो पर दबाव बनाए हुए हैं। यही नहीं क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान चीन और रूस ने अपने परमाणु बॉम्बर भेजकर जापान को डराने की कोशिश की थी।

पुतिन के पास है दुनिया का सबसे खतरनाक जहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। दुनिया में कई तरह के जहर होते हैं। कुछ धीरे–धीरे मारते हैं, तो कुछ बोलने का मौका भी नहीं देते। कुछ जहर ऐसे हैं कि उससे मर रहे इंसान को कुछ पता भी नहीं चलता तो वहीं कुछ ऐसे हैं जो इतना दर्द देते हैं कि इंसान अपनी मौत की भीख मांगने लगे। ऐसा ही एक जहर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास भी है। कथित तौर पर वह अपने दुश्मनों पर इसका इस्तेमाल करते हैं।

इस खतरनाक जहर का नाम स्ट्रिक्नीन है। रूसी खुफिया एजेंसी KGB इसका इस्तेमाल करती है। इस जहर को सबसे

दर्द से दुश्मन भी मांगता है मौत की भीख

जहरों के एक विशेषज्ञ का कहना है कि स्ट्रिक्नीन दुनिया का सबसे दर्द देने वाला कैमिकल है। शरीर के अंदर जाते ही ये भयानक दर्द देता है। शरीर पूरी तरह कांप जाता है, जिससे हड्डियों और मांसपेशियों को जोड़े रखने वाला बंधन टूट जाता है।

क्या होता है असरः डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक विष विशेषज्ञ नील ब्रॉडबरी ने बताया कि इस जहर की सबसे बुरी बात ये है कि ये बहुत धीरे–धीरे असर करता है। इंसान को मारने में ये कई घंटे लगा देता है। इसके साथ ही ये शिकार के सेंस पर असर नहीं करता और उसे हर दर्द का अहसास होता रहता है। शरीर के अंदर मांसपेशियां लगातार टूटती रहती हैं और दर्द का अहसास होता रहता है।

ब्रिटेन में बैन है कैमिकलः रूसी व्हिसलब्लोअर अलेक्जेंडर पेरेपिलिचनी लंदन में मृत मिले थे। बाद में पता चला कि उनके शरीर में भी स्ट्रिक्नीन जैसा ही कैमिकल था। हालांकि जांच में इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले कि यह एक हत्या थी। ये खतरनाक कैमिकल ब्रिटेन में सख्ती के साथ प्रतिबंधित है, क्योंकि इंसानी शरीर पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जहर से किसी को मारना बहुत मुश्किल काम होता है। इसके लिए बहुत प्लानिंग की जरूरत पड़ती है।

पुतिन ने यूक्रेन पर दागा थर्माइट बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन युद्ध अभी भी जारी है। रूस ने यूक्रेन पर अपने हमले की तीव्रता बढ़ा दी है। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि आसमान से आग बरस रही है। दरअसल रूस की तरफ से यूक्रेन पर दागा गया ये एक बम है जिसे थर्माइट कहा जाता है। थर्माइट इतना खतरनाक है कि शरीर पर गिरते ही पूरे खाल और मांस को भेदते हुए हड्डियों तक पहुंच जाता है। इस बम का इस्तेमाल एक युद्ध अपराध है। वीडियो में दिख रहा है कि आसमान से थर्माइट के छोटे–छोटे कण बरस रहे हैं। ये कण आसमान से जलते हुए गिरते हैं। देखने में ये नजारा बहुत सुंदर लगता है, लेकिन ये जितना सुंदर है उतना ही खतरनाक भी है। कथित तौर पर थर्माइट को रूस ने 9ड22 रॉकेट के जरिए ग्रॉड लॉन्चर से फायर किया है। यूक्रेन के कई पत्रकारों की ओर से ये वीडियो शेयर किया गया है। बताया जा रहा है कि वीडियो डोनबास में नेशनल गार्ड यूनिट के एक सैनिक ने बनाया था।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चम्पावत के 96213 मतदाता करेंगे सीएम के भाग्य का फैसला

उपचुनाव

सुबह सात बजे से मतदान, सीएम सहित चार प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में होगा बंद

संवाददाता

देहरादून। चंपावत विधानसभा में मंगलवार को होने वाले उपचुनाव में मुख्यमंत्री सहित चार प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो जाएगा। यहां 96213 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 50,171 और महिला मतदाताओं की संख्या 46042 है। खटीमा सीट से विधानसभा चुनाव हार चुके मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यहां उपचुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस की निर्मला गहतोड़ी, सपा समर्थित प्रत्याशी मनोज कुमार उर्फ ललित मोहन भट्ट और निर्दलीय हिमांशु गड़कोटी ताल ठोंक रहे हैं। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि मतदान के लिए विधान सभा में 151 बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों के लिए सभी 151 पोलिंग पार्टियों को भेज दिया गया है। सोमवार को 135 पोलिंग पार्टियां गंतव्य को रवाना हुईं। जबकि रविवार को दूरस्थ क्षेत्रों की 16 पार्टियों को रवाना किया गया था। सोमवार को जिलाधिकारी एवं एसपी देवेंद्र पींचा ने पोलिंग पार्टियों के साथ सुरक्षा में लगे जवानों की ब्रीफिंग की। जिलाधिकारी ने चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करने के निर्देश दिए।

एसपी ने भी सुरक्षा में तैनात जवानों को ट्रेनिंग में दी गई जानकारी को धरातल पर लागू करने के निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। पांच बजे बाद किसी भी मतदाता को बूथ परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जो मतदाता मतदान बूथ में पहुंच गए हैं और पंक्ति में खड़े हैं उन्हें ही पांच बजे बाद मतदान करने का अवसर मिलेगा।

रहेगा सार्वजनिक अवकाश

आज होने वाले उपचुनाव में पूरे विधान सभा क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। बाजार और बैंक भी बंद रहेंगे। सार्वजनिक अवकाश का उद्देश्य सभी सरकारी, गैर सरकारी एवं प्राईवेट कंपनियों एवं प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले लोगों को मतदान का अवसर देना है। ताकि मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 32 बूथों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। इन बूथों की सुरक्षा, एसएसबी व पीएसी के हवाले की गई है।

उपचुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए बीते दिन सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम ने भी आदेश जारी किए थे। आदेश के मुताबिक 31 मई को उपचुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया होनी है। साप्ताहिक छुट्टी का दिन न होकर इसे बंदी दिवस के रूप में मनाए जाने की लोगों से अपील की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि विस क्षेत्र से जो भी लोग बाहरी जिलों में कार्यरत हैं। ऐसे लोगों के लिए मंगलवार को अवकाश का दिन घोषित किया गया है।

न्यूज डायरी

खुनौली में ग्रामीणों ने अधिकारी को जमीन पर बैठाया

संवाददाता बागेश्वर। ग्राम पंचायत खुनौली में राशन कार्ड सत्यापन के लिए अधिकारियों की टीम पहुंची। यहां ग्राम प्रधान का पद रिक्त है। पंचायत घर भी जर्जर हालत में है। सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के साथ ही कई समस्याओं से ग्रामीण रूबरू हो रहे हैं। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अधिकारियों को जमीन पर बैठा दिया और उन्हें जमकर खरी–खोटी सुनाई। ग्रामीणों ने प्रशासन पर गांवों की उपेक्षा का आरोप लगाया। पंचायत चुनाव के दौरान खुनौली ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान का पद एससी के लिए आरक्षित था, लेकिन गांव में एक भी परिवार इस वर्ग का नहीं मिला। जिसके चलते यहां प्रधान का निर्वाचन नहीं हो सका। सोमवार को ग्राम पंचायत विकास अधिकारी राशन कार्ड को लेकर बैठक लेने गांव में पहुंची, तो ग्रामीण भड़क गए।

क्रेसेंडा सोलूशन्स ने गवर्नमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज के बिजनेस में काम करना शुरू किया

संवाददाता देहरादून। बीएसई में सूचीबद्ध क्रेसांडा सॉल्यूशंस लिमिटेड ने भारत में बिना किसी समस्या के यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी पर आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर सोलूशन्स देने हेतु एक बड़े इंस्टीटूशनल क्लाइंट के साथ समझौता किया है। कंपनी टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर सर्विसेज के साथ बड़ी व्यावसायिक परियोजनाओं में इनोवेशन लाने, उन्हें डिजाइन और डिलीवर करने के लिए तैयार है। सॉफ्टवेयर सर्विसेज में बिजनेस एप्लिकेशन्स के विकास, डेटा साइंस, क्लाउड, माइग्रेशन, बिजनेस प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन, डिजिटल मीडिया, टेक्नोलॉजी इम्प्लीमेंटेशन और मेंटेनेंस सर्विसेज शामिल हैं।

लैक्मे अकादमी ने अनन्या पांडे को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की

संवाददाता देहरादून। भारत में बालों एवं सौंदर्य प्रशिक्षण के अग्रणी संस्थान, एप्टेक द्वारा संचालित लैक्मे अकादमी ने अनन्या पांडे को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। भारत में व्यवसायिक तौर पर ब्यूटी एवं वेलनेस इंडस्ट्री का आकार 25,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें पिछले एक दशक में 12 प्रतिशत की सी.ए.जी.आर. से वृद्धि हुई है तथा इसके अंतर्गत सैलून, स्पा, पार्लर, पुरुषों को सजाने–संवारने के लिए आउटलेट एवं स्किन क्लीनिक शामिल हैं। इस साझेदारी के बारे में मशहूर अभिनेत्री, अनन्या पांडे ने कहा, 'एप्टेक द्वारा संचालित लैक्मे अकादमी के साथ इस साझेदारी की घोषणा करते हुए मैं बेहद रोमांचित कर रही हूँ, क्योंकि इसके जरिए मुझे विश्व स्तरीय शिक्षा और करियर के अवसरों के साथ लाखों युवा भारतीयों के भविष्य को सुंदर बनाने की पहल में उनके साथ जुड़ने का अवसर मिला है।

रानीखेत की जैवविविधता से रूबरू हुए प्रशिक्षु वनाधिकारी

संवाददाता रानीखेत। केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी देहरादून से प्रादेशिक वन सेवा का प्रशिक्षण ले रहे विभिन्न राज्यों के 33 सदस्यीय प्रशिक्षु अधिकारियों का दल शैक्षिणक भ्रमण पर कलिका वन अनुसंधान केंद्र पहुंचा। यहां 30 से ज्यादा देसी विदेशी चीड़ प्रजातियों वाले उत्तराखंड के अनूठे पाइन परिक्षेत्र का दौरा कर हीलिंग सेंटर का अध्ययन किया। साथ ही भूमि संरक्षण विभाग की ओर से वनाग्नि नियंत्रण व प्रबंधन को किए जा रहे प्रयासों को करीब से देखा। उन्होंने डीएफओ महातिम सिंह यादव व वन क्षेत्राधिकारियों से विचार साझा कर हिमालयी राज्य के जंगलात, जैवविविधता व मिश्रित वनों के क्षेत्रफल आदि की गहन जानकारी भी जुटाई। देहरादून से फैकल्टी के रूप में वर्ष 2014 की आईएफएस केएम अर्चना के निर्देशन में 35वें इंडक्शन कोर्स बैच के प्रशिक्षु अधिकारी सोमवार को कुमाऊं के चुनिंदा मिश्रित वन तथा जैवविविधता के लिए प्रसिद्ध रानीखेत की वादियों में पहुंचे। इनमें उत्तर प्रदेश के 18, पश्चिम बंगाल से आठ, मेघालय चार, नागालैंड दो व एक अधिकारी महाराष्ट्र के शामिल हैं। इनमें आठ महिला आईएफएस हैं।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने डीएफओ महातिम सिंह यादव की अगुआई में ऐतिहासिक गोल्फ कोर्स के पास तैयार मिश्रित वन क्षेत्र व माडल पौधारोपण परिक्षेत्र चिलियानौला का दौरा किया। भूमि संरक्षण विभाग की ओर से वनाग्नि प्रबंधन की बारीकियां जानी। इस दौरान एसडीओ गणेश चंद्र त्रिपाठी, वन क्षेत्राधिकारी हरीश टम्टा आदि ने प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ विचार साझा किए।

फायर स्टेशनों का किया गया निरीक्षण

संवाददाता पुरोला। उत्तराखंड के जंगलों में अक्सर गर्मियों में लगने वाली आग से जगलो को बचाने के लिए वन विभाग ने विभिन्न रेन्जो के अंतर्गत फायर क्रु स्टेशनों का निर्माण किया है। इसी क्रम मे मुख्य वन संरक्षक एवम आपदा प्रबंधन निशांत वर्मा ने टोंस वन प्रभाग के अंतर्गत फायर स्टेशनों का निरीक्षण किया। मुख्य वन संरक्षक ने पुरोला रेंज, सिंगतुर रेंज व सांद्रा रेंज के क्रु स्टेशनों का निरीक्षण कर वन कर्मियों को नियमित फायर ड्रिल ग्रामीणों के साथ सामंजस्य बनाने के निर्देश दीये गये। साथ उत्तराखंड वन विकास निगम के विद्युत पारेषण लॉट का भी निरीक्षण किया गया।

आपदा प्रभावित गांवों की समस्या आज भी जस की तस बरकरार

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत के आपदा प्रभावित गांवों की समस्या आज भी जस की तस बरकरार है। हालात यह है कि सीमांत के आपदा प्रभावित गांवों के प्रभावितों की सुध जनप्रतिनिधि व सरकारी नुमाइंदे ले तक नहीं पाये है। हालात इतने बद्दतर हो चुके है कि पीड़ितों के दर्द आज तक नहीं भर पाये है।

जानकारी के मुताबिक सीमांत तहसील मुंसयारी क्षेत्र के ग्रम पंचायत क्वारीजिमिया के तोक जिमिया गांव को जोड़ने वाला पैदल रास्ता आज भी पैराड में खासा बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। बता दें कि यह रास्ता वर्तमान में पूरी तरह से खाई में तब्दील हो चुका है। आलम यह है कि इलाके के ग्रमीणों के साथ ही गांव के अन्य जरूरतमंद बड़े–बड़े पत्थरों के बीच जान हथेली में रखकर आवाजाही करने को मजबूर हो चुके है। गांव के पीड़ितों का दर्द आज भी यहां कम होने का नाम नही ले रहा है। सीमांत के गांव के आपदा प्रभावित ग्रमीण गांव के विस्थापन की लंबे समय से मांग भी उठा चुके है। मगर आज तक उनकी समस्या का हल तक नही निकल पाया है। इस मामले पर इलाके के ग्रमीण खस्ताहाल हो चुके पैदल रास्ते को ठीक कराने की मांग को लेकर कई बार चेता चुके है। मगर आज तक उनकी उपेक्षा की जा रही है। वही ऐसे में दूसरी ओर प्रभावितों की मुश्किलें कम होने का नाम नही ले रही है।

एक बार फिर इलाके के ग्रमीण गांव को जोड़ने वाले पैदल रास्ते की खस्ताहाल सिथिति को लेकर पुरजोर मांग उठाने लगे है। वही ऐसे में उनकी समस्या का हल कब तक निकलेगा यह सवाल आज भी इलाके के ग्रमीणों के जहन में खड़ा है।

मानव ईश्वर भक्ति से जुड़कर जीवन को सफल बनाएः साध्वी आस्था भारती

संवाददाता देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 'श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कथा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक प्रकल्प बोध (नशा उन्मूलन अभियान) को समर्पित है। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) की शिष्या भागवताचार्या महामनस्विनी विदुषी सुश्री आस्था भारती जी ने कथा के सप्तम दिवस शास्त्रों के साथ–साथ आधुनिक जगत से अनेकों वैज्ञानिक व तर्क–सम्मत उदाहरण देते हुए आध्यात्मिक सरिता से भक्त हृदयों को सींचा। उन्होंने बताया कि ये पौराणिक कथाएं आज भी मानव जीवन और समाज को सुंदर रूप देने के लिए उत्तम राह दिखाती हैं। मानव हर सुबह नींद से जागता है लेकिन अपने लक्ष्य के प्रति अज्ञानता की नींद से वह कब जागेगा। परमात्मा की भक्ति रूपी सुरक्षा कवच के प्रति हम कब जागरूक होंगे।

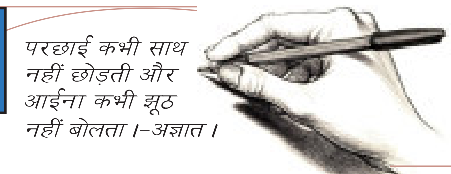

विचार-प्रवाह

देहरादून, मंगलवार, 31 मई 2022

पेज थ्री

www.page3news.in

मास्क पहनना अनिवार्य

दो से तीन हफ्ते पहले जब यहां की सरकारें मास्क हटाने का एलान कर रही थीं, तब भी विशेषज्ञ कह रहे थे कि मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को हटाना कहीं ना कहीं जल्दबाजी भरा कदम हो सकता है। वैक्सीन के मामले में इधर प्रिक०शन डोज को अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला है। इसकी वजहें साफ हैं।

अमन सिंह।।

इधर जिस तेजी से देश के कई इलाकों में कोरोना के मामले बढ़े हैं, उसने एक बार फिर महामारी के फैलने की चिंता पैदा की है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश ने अपने यहां सात जिलों में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है तो हरियाणा ने अपने चार जिलों में। दिल्ली में दो हफ्ते पहले मास्क की अनिवार्यता खत्म की गई थी। यहां पॉजिटिविटी रेट खतरनाक लेवल पर पहुंच चुका है। इसे देखते हुए डीडीएमए ने कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर फिर से बैठक बुला ली है। वहीं पंजाब में भी चंडीगढ़ और पटियाला प्रशासन ने जिले के लोगों से मास्क पहनने का आग्रह किया है। कहीं पर मास्क ना पहनने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है तो कहीं पर लोगों से मास्क पहनने की रिक्वेस्ट की जा रही है। आंकड़े गवाह हैं कि दिल्ली और इससे लगे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के इलाके इन दिनों कोरोना के हॉटस्पॉट बने चुके हैं। दो से तीन हफ्ते पहले जब यहां की सरकारें मास्क हटाने का एलान कर रही थीं, तब भी विशेषज्ञ कह रहे थे कि मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को हटाना कहीं ना कहीं जल्दबाजी भरा कदम हो सकता है।

यह वही समय था, जब चीन को अपने कुछ शहरों में कोरोना के चलते सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा था। खुद आईसीएमआर के विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार तेजी से बढ़ते मामलों के पीछे प्रमुख वजह यही दिख रही है कि लोगों ने मास्क पहनने बंद कर दिए और कोविड प्रोटोकॉल लगभग भूल गए। अभी भी देरी नहीं हुई है। कोविड प्रोटोकॉल को लेकर देशभर में फिर से जागरूकता बढ़ानी होगी। मास्क और वैक्सीन संक्रमण को रोकने में कितने मददगार हैं, इसकी याद दिलानी होगी। वैक्सीन के मामले में इधर प्रिकॉशन डोज को अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला है। इसकी वजहें साफ हैं।

प्रिकॉशन डोज सिर्फ निजी अस्पतालों में लग रही हैं। यह बात सही है कि वैक्सीन कंपनियों ने हाल में टीकों की कीमत घटाई है। फिर भी देश में काफी लोगों के लिए इनका खर्च उठाना मुश्किल होगा। अच्छा हो, सरकारी केंद्रों में भी बूस्टर डोज लगाई जाए। एक तथ्य यह भी है कि सरकारें कोविड टेस्ट भी पूरी ताकत से नहीं कर रही हैं, जिससे कि महामारी कितनी फैल चुकी है, इसका ठीक–ठीक पता चले। इसलिए टेस्ट की संख्या भी बढ़ाई जानी चाहिए। इससे संक्रमण की सही तस्वीर का पता चल पाएगा। कुल मिलाकर, हाल में महामारी को लेकर जो ट्रेंड दिख रहा है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ दिल्ली, हरियाणा या उत्तर प्रदेश में ही नहीं, सभी प्रदेशों को अभी मास्क अनिवार्य रखना चाहिए क्योंकि कोरोना अभी गया नहीं है।

सकारात्मक ऊर्जा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। वास्तु शास्त्र के अनुसार,घर की पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और मानसिक,शारीरिक और आर्थिक लाभ होता है। जीवन में तरक्की के लिए अपने उत्तर–पूर्व यानि ईशान कोण को हमेशा साफ रखें। इससे घर में सकारात्मक उर्जा बढ़ती हैं जिससे ध ान लाभ और तरक्की के मार्ग खुलते हैं। जल को धन का रूप माना गया है ऐसे में वास्तु शास्त्र के अनुसार नल अथवा टंकियों से अनावश्यक बहता पानी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार जिस घर में ऐसा होता है,वहां बरकत नहीं होती है। वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह को सुख–समृद्धि का ग्रह माना गया है। व्यक्ति की कुंडली में बृहस्पति ग्रह के कमजोर होने से हमें जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

संपादकीय

पति से ज्यादा कमाई

यात्रा के अगले दौर में मैं हरियाणा के एक गांव पहुंची, जहां मेरी मुलाकात एक कीटनाशक कंपनी में कृषि साथी के रूप में काम कर रहीं 25 लड़कियों के एक ग्रुप से हुई। इन लड़कियों की उम्र भी 18 से 25 साल के बीच थी। इनमें से कई पार्टटाइम कॉलेज से पढ़ाई भी कर रही थीं, कई शादीशुदा थीं और चार ऐसी थीं जो अपने पतियों से ज्यादा कमाती थीं। उनमें से एक ने कहा, 'सचमुच तब बहुत अच्छा लगता है, जब हमारे ससुर घर में किसी बड़ी खरीदारी या भविष्य के निवेश को लेकर मुझसे राय–मशविरा करते हैं।' उसकी मां या सास को ऐसी इज्जत नहीं मिली थी। कीटनाशक कंपनी इस काम के लिए सिर्फ महिलाओं को रखती है। ऐसी जेंडर सेंसिटिविटी कम ही देखने को मिलती है। सामाजिक रूढ़ियों को बदलने में कंपनियों की बड़ी भूमिका हो सकती है, लेकिन इसमें वक्त लगेगा। मिर्जापुर जिले में 16 से 25 वर्ष की लड़कियों के एक ग्रुप से मिली, जो एक एनजीओ से जुड़ी थीं और स्वतंत्र होना चाहती थीं। ग्रुप की एक लड़की ने कहा, 'आपको अंदाजा भी नहीं होगा कि हमारे परिवारों का कितना दबाव होता है हम पर। ऐसी मीटिंग में आने और भविष्य में काम की संभावनाओं पर बात करने के लिए हमें परिवार वालों से लड़ना पड़ता है।' दूसरी लड़की ने बताया, 'हम पर लगातार दबाव रहता है शादी का। एक बार शादी हो गई तो बच्चे का दबाव। शादी के एक साल के अंदर बच्चा नहीं हुआ तो ससुराल वाले और मायके वाले चिंता करने लगते हैं कि कुछ गड़बड़ है।'

ये युवा लड़कियां काम की जगह पर भेदभाव को लेकर नहीं डरतीं। उनके सामने कहीं बड़ी चुनौती है- सदियों पुराना सांस्कृतिक मानक, जो लड़कियों का काम करना अच्छा नहीं मानता।

सामाजिक पहलू

नीरज कौशल।।

सऊदी अरब की महिलाओं की काम में सहभागिता भारतीय महिलाओं के मुकाबले ज्यादा हो गई है। हैरानी हुई ना जानकर। हाल के वर्षों में सऊदी अरब में लैंगिक भेदभाव कम करने वाले सुधारों का सिलसिला चला है। इसलिए वहां बड़ी संख्या में और हर उम्र की महिलाएं रोजगार बाजार से जुड़ीं। वहां 2016 में 18 फीसदी महिलाएं काम कर रही थीं, जिनकी संख्या 2020 में बढ़कर 33 फीसदी पहुंच गई। इस बीच, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या कम होती रही। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2012 में यह 31 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 21 फीसदी रह गई। अफसोस की बात यह है कि भारतीय महिलाओं की श्रम शक्ति में कम होती भागीदारी की किसी को पड़ी नहीं है। भारत सरकार के आत्मनिर्भरता अजेंडा में महिलाओं का रोजगार शामिल नहीं है।

बहरहाल, इन आंकड़ों को देखकर लगता है कि देश में जेंडर के मोर्चे पर हालात बदतर होते जा रहे हैं और तेज आर्थिक सुधार वाले वर्ष भी महिलाओं को आर्थिक अवसर मुहैया कराने में नाकाम रहे। लेकिन हाल के अपने कुछ दौरों में मैंने पाया कि जमीनी हकीकत थोड़ी जटिल है। जिन वजहों से महिलाएं नौकरी या काम छोड़ रही हैं, उनमें सांस्कृतिक और सामाजिक पहलू

भी जुड़े हुए हैं। इसमें महिलाओं का काम करना सामाजिक रूप से अच्छा नहीं माना जाता।

दो महीने पहले मैं उत्तर प्रदेश और हरियाणा के गांवों में गई थीं। वहां मैंने पूछा कि गांवों में कामकाजी महिलाओं की संख्या क्यों कम हो रही है? पूर्वी उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के एक दलित गांव में महिलाओं के एक समूह ने बताया कि इसकी एक बड़ी वजह ऊंची जातियों के पुरुषों द्वारा किया जाने वाला यौन उत्पीड़न है। उनमें से एक महिला ने कहा, 'हमारी पहले की पीढ़ियों में यौन उत्पीड़न आम और स्वीकार्य रहा है। लेकिन अब ऐसा नहीं है। हम ऐसे लोगों के लिए काम नहीं करते।' स्पष्ट तौर पर इस ग्रुप के लिए श्रम शक्ति से महिलाओं के निकलने का मतलब ऊंची जाति के पुरुषों द्वारा पीढ़ियों से किए जा रहे शोषण और उत्पीड़न को खत्म करना था।

हाथ में स्मार्टफोन पकड़े और मुंह घूंघट में छुपाए एक अन्य महिला ने यह कहते हुए मेरी चिंताओं को खारिज कर दिया कि 'घर में ही बहुत सारा काम होता है। हमें बाहर जाकर काम करने की फुरसत नहीं होती।' पास खड़ी एक अन्य महिला बोली, 'इसका पति शहर से इतना पैसा भेज देता है कि इसे काम करने की जरूरत नहीं पड़ती।' यह सुनकर घूंघट वाली महिला मुस्कुराने लगी। पूना से आए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने मुझे यहां की स्थिति समझाई। उन्होंने बताया कि जब पूरा परिवार गांव से बाहर जाता है तो उस परिवार की महिला, पुरुष, बच्चे सभी शहर की फैक्ट्रियों में काम करते हैं। लेकिन जब परिवार के सिर्फ पुरुष सदस्य शहर जाते हैं तो महिलाएं काम करना पसंद नहीं करतीं। शायद अपने पति के शहर में होने पर गांव में काम करते वक्त वे खुद को असुरक्षित पाती हैं। जब पूछा गया कि क्या वे अपनी बेटियों को स्कूलों या कॉलेजों में पढ़ाना चाहते हैं, तो ज्यादातर लोगों ने हां में जवाब दिया। लेकिन पढ़ाने का फायदा ही क्या है, जब वे काम नहीं करने वाली? जवाब था– शिक्षा से शादी कराने में आसानी होती है। कोई भी अपने बेटों की शादी अनपढ़ लड़कियों से नहीं कराना चाहता।

अष्टयोग-5051

7		5		3		1
	33		36		27	
3		4	6	7		2
	36		30	1	26	
5		7			3	
	36	6	32		34	3
	2		4	5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5050 का हल

5	7	2	4	1	6	3
2	33	1	23	6	33	6
3	7	6	1	2	4	5
4	42	4	29	4	25	4
7	6	5	4	3	2	1
6	37	7	38	7	33	2
1	2	3	4	5	6	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी अच्छी होगी

मोहन। जनता तो पोर्न देखकर भी बड़ा खुश होती है। उत्तेजना महसूस करती है। उसे तो फिल्मों में हिंसा भी बड़ी अच्छी लगती है लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि उसी जनता को उत्तेजित करने के लिए वो अपने व्यवहार में अश्लील होती जाए। ये अश्लीलता जनता को पसंद जरूर आएगी। वो सीटियां जरूर बजाएगी। चुनावी जीत के तौर पर आपकी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी अच्छी होगी। लेकिन उसे ये नहीं भूलना सिनेमा की सफलता इस पर है कि आप जनता से कितना अच्छा कलेक्शन करते हैं और सरकारों की इस पर कि वो जनता से कितना अच्छा कनेक्शन करती है। तब उनमें से शायद ही किसी ने सवाल किया कि अगर कंगना के ऑफिस का एक हिस्सा अवैध था, तो क्या उसे गिराने के लिए इस विवाद का इंतजार किया जा रहा था। नहीं, तब ये लोग या तो जश्न मना रहे या खामोश थे, क्योंकि वो मानते थे ठीक हुआ! इसी तरह पैगम्बर साहब को लेकर कथित टिप्पणी पर जब दिनदिहाड़े कमलेश तिवारी का गला रेत दिया गया, तब इन्हीं लोगों में से किसी ने इसकी आलोचना नहीं की।

हाय दैया! बॉक्स ऑफिस पर 8वें दिन वींक के बिके सिर्फ 20 टिकट्स

कंगना रनौत स्टारर एक्शन फिल्म 'धाकड़' को अपनी रिलीज के आठवें दिन केवल 4, 420 रुपये इकट्ठा करने और देश भर में केवल 20 टिकट बेचने का मौका मिला। ये आंकड़े 'बॉलीवुड हंगामा' के मुताबिक हैं। यह फिल्म पहले दिन से ही एक आपदा थी। कुल मिलाकर, धाकड़ ने लगभग 3 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिसके कारण कंगना की बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन की लंबी कड़ी जारी है। कथित तौर पर 'धाकड़ को बनाने में 80 करोड़ रुपये से 90 करोड़ रुपये की लागत आई है और एक अलग 'बॉलीवुड हंगामा' रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म को ओटीटी पर स्ट्रीमिंग करने के लिए संघर्ष करनी पड़ रही है। रजनीश घई की निर्देशित 'धाकड़' में अर्जुन रामपाल, दिव्या दत्ता और शाश्वत चटर्जी हैं। धाकड़ को अब तक मिली–जुले रिएक्शन मिले हैं, लेकिन लगता है कि फिल्म देखने वालों ने फिल्म को पूरा पास दे दिया है। हॉरर–कॉमेडी सीक्वल 'भूल भुलैया 2, जो 'धाकड़' के साथ–साथ रिलीज हुई, ने भारी मुनाफा कमाया।

पोर्न एडिक्ट थीं अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप

बॉलिवुड डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप सुर्खियों में छाई रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बहुत ओपन रहती हैं। वह अपने पर्सनल एक्सपीरियंसेस से बाकी लोगों को कुछ–न–कुछ सीख भी देती रहती हैं। एक बार उन्होंने पीरियड्स, सेक्स, बिकिनी वैक्स, न्यूडिटी से लेकर ढेर सारे टॉपिक्स पर फैंस के सवालों के जवाब दिये थे। अब आलिया ने एक बार फिर वीडियो बनाकर लोगों की समस्याओं का सुलझाया है। इसमें वह सेक्स करने के दौरान होने वाले दर्द औप पॉर्न फिल्म के एडिक्शन समेत कई चीजों के बारे में खुलकर बताया है। एक ने आलिया से छोटे ब्रेस्ट के बारे में भी सवाल किया। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि ऐसा होना नॉर्मल है। क्योंकि उनके भी छोटे हैं और उन्हें पसंद है। आलिया ने कहा कि इससे कई दिक्कते होती हैं, लेकिन उनको नहीं है। उनके मुताबिक, अगर पार्टनर मैच्योर है, उसे भी इससे दिक्कत नहीं होगी। वहीं, आलिया ने सेक्स के दौरान खून निकलने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा ऐसा उनके साथ तो नहीं हुआ है लेकिन ये भी नॉर्मल है। उन्होंने बताया कि पहली बार सेक्स करने के दौरान हाइमेन मसल टूटती है। जिस कारण थोड़ी ब्लीडिंग होती है। आलिया कश्यप ने कहा कि उनके कुछ दोस्तों की भी ब्लीडिंग हुई थी।

लियोनार्डो डिकैप्रियो से तारीफ मिलने वाली बात पर उर्वशी को मिल रहे ताने

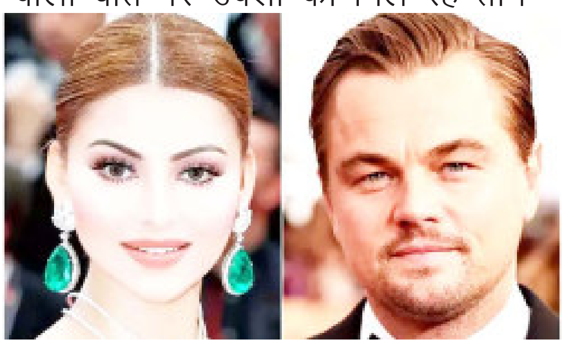

बॉलिवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने इस बार कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है और वो अपने रेड कार्पेट लुक्स से खूब सूर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने हॉलिवुड ऐक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो से जुड़ी ऐसी बात बोल दी है, जो किसी को सच नहीं लग रहा है। उन्होंने जैसे ही इस बारे में बात की, वो सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगी। आखिर उन्होंने ऐसा क्या कह दिया है कि लोग उन्हें झूठी कह रहे हैं। उर्वशी रौतेला ने बताया कि हॉलिवुड के फेमस ऐक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो ने उनकी तारीफ की है। वो बोलीं, लियोनार्डो डिकैप्रियो से तारीफ पाकर मैं एकदम बौखला गई थी और मेरे पास शब्द ही नहीं बचे थे। मैं बहुत इमोशनल हो गई थी और मेरी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े थे। मैं शरमा भी रही थी। ऐक्ट्रेस ने आगे कहा, श्उन्होंने एक बहुत ही टैलेंटेड ऐक्ट्रेस के रूप में भी मेरी तारीफ की। मैं खुद को पिंच (चुटकी) करते हुए जगा रही थी। क्या कल रात वास्तव में ऐसा हुआ था? उनसे ये मेरी मुलाकात याद रहेगी। अब उर्वशी ने ये बात बोल तो दी, लेकिन उनकी इस बात पर यूजर्स को यकीन नहीं हो रहा है। वो सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। कई लोगों ने तो उन्हें झूठा तक कह दिया है। एक ने लिखा, लियो कान्स में ही नहीं है?

लाल सिंह चड्ढा के ट्रेलर इवेंट में आमिर खान ने खाए गोल गप्पे

बॉलिवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट और सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म श्लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर आईपीएल फिनाले में लॉन्च होगा। एक दिन पहले आमिर खान और करीना कपूर की लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर मुंबई में मीडियाकर्मियों को दिखाया गया। यहां आमिर खान ने गोल गप्पे का लुत्फ भी उठाया और पत्रकारों से बातचीत भी की। ऐक्टर ने पत्रकारों से ट्रेलर का रिव्यू जाना और इस फिल्म के सिलसिले में ढेर सारी बातचीत की।

आमिर खान ने खाए गोल गप्पे

आमिर खान लाल सिंह चड्ढा ट्रेलर इवेंट में गोल गप्पे का लुत्फ उठाते नजर आए। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो भी सामने आया है जहां वह मुंबई के जुहू में गोल गप्पे का लुत्फ उठाते नजर आए। फैंस जमकर आमिर खान के इस अंदाज पर रिएक्ट भी कर रहे हैं। बता दें लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर आईपीएल के फाइनल मैच यानी 29 मई 2022 को रिलीज होगा।

फैंस क्या बोले

इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में फैंस अलग अलग तरह से रिएक्ट कर रहे हैं। एक ने कहा, ये एक प्रमोशन का तरीका है। तो एक ने लिखा, फोटो वीडियो के चक्कर में आमिर खान की पानी पुरी टूट जाएगी। इस तरह के कई फनी कमेंट्स इस पोस्ट पर मौजूद हैं।

हॉलिवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का अहफिशियल एडेप्टेशन

बता दें आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा में लीड रोल में करीना कपूर भी नजर आएंगी। ये फिल्म हॉलिवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का

ऑफिशियल एडेप्टेशन है। इस फिल्म के राइट्स लेने के लिए मेकर्स को 10 साल का समय लग गया। इतना ही नहीं फॉरेस्ट गंप के मेकर्स की तो ये कंडीशन भी थी कि इस फिल्म को आमिर खान ही निभाएं।

लाल सिंह चड्ढा की रिलीज डेट

लाल सिंह चड्ढा के लेखन का काम मशहूर ऐक्टर अतुल कुलकर्णी ने किया है। उन्होंने 14 साल पहले जाने तू जाने न के प्रीमियर में आमिर खान को लाल सिंह का आइडिया सुनाया था। शुरुआत में तो आमिर खान ने दो साल तक इस स्क्रिप्ट को सुनने में नखरे दिखाए लेकिन जब उन्होंने इसकी कहानी सुनी तो वह इससे काफी प्रभावित हुए थे। अब आखिरकार ये फिल्म 11 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

सोनू सूद ने बॉलिवुड कंटेंट पर फिर दिखाई बेरूखी

ऐक्टर सोनू सूद लगभग हर मुद्दे पर अपनी बात बेबाकी से रखते हैं। चाहे देश में कोई बी मुद्दा हो, सोनू हमेशा अपना व्यू देने में मुखर रहे हैं। ऐक्टर ने साउथ और हिंदी फिल्मों की बहस में अपनी राय रखी थी और अब एक बार फिर उन्होंने इस बारे में बात की है। हाल ही में ऐक्टर ने कहा है कि साउथ फिल्में काम करना उन्हें श्खराब हिंदी फिल्मेंश करने से बचाता है। सोनू ने 1999 में तमिल फिल्मों 'कल्लाझगर' और 'नेन्जिनिल' के साथ फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की थी। 2002 में 'शहीद ए आजम' के साथ हिंदी फिल्म की शुरुआत करने से पहले उन्होंने तेलुगु फिल्मों 'हैंड्स अप' और 'मजुनू' में भी काम किया।

'पृथ्वीराज' में सोनू सूद का रोल

सोनू इन दिनों 'सम्राट पृथ्वीराज' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म में कवि चंद बरदाई की भूमिका निभाई है, जिसमें अक्षय कुमार राजा पृथ्वीराज के रोल में हैं। फिल्म में संजय दत्त और मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर भी हैं। फिल्म 3 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्में स्क्रिप्ट से चुनता हूं, भाषा से नहीं

सोनू ने 'इंडियन एक्सप्रेस' को बताया, 'मैं हमेशा अपनी अच्छी स्क्रिप्ट के साथ जाता हूं, चाहे मैं तमिल, तेलुगु या हिंदी फिल्में करूं। साउथ सिनेमा मुझे खराब हिंदी फिल्में करने से बचाता है। एक दौर आता है जब आपको लगता है कि आप सिर्फ एक फिल्म कर रहे हैं। एक बड़ी फिल्म में नजर आने के लिए साउथ मुझे ऐसा करने से दूर रहने में मदद करता है।'

सोनू सूद की दमदार फिल्में

सोनू को हाल ही में तेलुगु फिल्म 'आचार्य' में विलेन के रोल में देखा गया था। फिल्म में चिरंजीवी और राम चरण भी थे। सोनू अगली बार डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' में नजर आएंगे। फिल्म का नाम पहले पृथ्वीराज रखा गया था। करणी सेना की आपत्तियों के बाद, यशराज फिल्म्स ने फिल्म का टाइटल बदलने का फैसला किया।

मां होती तो गर्व करती

पृथ्वीराज में अपने रोल के बारे में बात करते हुए सोनू ने हाल ही में 'पीटीआई' को बताया, 'जब हम चांद बरदाई की कहानियां सुनते थे, तो हम बहुत प्रेरित महसूस करते थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे किसी फिल्म में चांद बरदाई का किरदार निभाने का मौका मिलेगा।

स्लो पॉइजन हो सकता है खून में ज्यादा आयरन

किसी भी चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। आयरन के लिए भी यही बात लागू होती है। आयरन एक जरूरी मिनरल है, जो आपके शरीर को ऊर्जा देने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के लिए जरूरी है। इसका सीधा सा मतलब है कि आपको रोजाना आयरन की जरूरत है। हालांकि, ऐसे कई लोग भी हैं, जो कम मात्रा में आयरन लेने के कारण आयरन की कमी से जूझते हैं। जहां आयरन की कमी से एनीमिया और थकान हो सकती है, वहीं इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करना भी अच्छा नहीं है।

कब बन जाता है आयरन जहरीला?
आयरन धीरे–धीरे या कभी–कभी अचानक जहरीला हो सकता है। आयरन इसके जरूरत से ज्यादा सेवन के कारण जहरीला हो सकता है खासतौर से तब जब लोग आयरन सप्लीमेंट का ओवरडोज लें या फिर व्यक्ति क्रॉनिक आयरन ओवरलोड डिसऑर्डर से ग्रसित हो। बता दें कि इससे आयरन पॉइजनिंग, हैरिडेट्री हैमोक्रोमेटोसिस जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती है। एक स्टडी के अनुसार, 40 मिग्रा से ज्यादा आयरन का सेवन करने पर आपको मेडिकल हेल्प की जरूरत पड़ सकती है।

सिर्फ इसलिए कि आयरन जरूरी है, इसका मतलब यह नहीं कि आप अधिक मात्रा में इसका सेवन कर सकते हैं।

आयरन को नियंत्रित क्यों करना चाहिए
अपनी बॉडी में आयरन लेवल को नियंत्रित करने के दो कारण हैं। पहला , जरूरी पोषक तत्व होने के कारण आयरन शरीर के कई कामों में बुनियादी भूमिका निभाता है। इसलिए हमें थोड़ी मात्रा में ही इसे लेना चाहिए। वहीं अधिक मात्रा में आयरन जहरीला होता है, इसलिए बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन से बचना भी चाहिए।

आयरन और कैंसर का संबंध
पबमेड में 2013 में छपी एक स्टडी के अनुसार, आयरन की अधिक मात्रा से जानवर और मनुष्यों दोनों में कैंसर हो सकता है। नियमित रूप से ब्लड डोनेट करने से इस रिस्क को कम करने में मदद मिल सकती है।

बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा
एनसीबीआई की एक स्टडी के अनुसार, आयरन ओवरलोड और आयरन की कमी दोनों ही संक्रमण को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। कई अध्ययन बताते हैं कि आयरन सप्लीमेंट से भी संक्रमण की गंभीरता बढ़ सकती है। जिन लोगों में इंफेक्शन का रिस्क ज्यादा है, उन्हें बहुत सोच समझकर इसका सेवन करना चाहिए। अधिक मात्रा में आयरन हानिकारक हो सकता है। हालांकि , आयरन सप्लीमेंट उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो आयरन की कमी से पीड़ित हैं। लेकिन उन लोगों के लिए जहर है, जिन्हें आयरन की कमी नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, बिना डॉक्टर की सलाह के आयरन सप्लीमेंट कभी नहीं लेना चाहिए।

बिना कमजोरी वजन घटाने के लिए कौन सी सब्जी है सबसे ज्यादा पावरफुल

हरी सब्जियां हमारे सेहत के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होती है। इनमें हर तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, यह मिनरल्स विटामिंस, फाइबर की पूर्ति करते हैं। हरी सब्जियां खाने से हमारा पेट जल्दी भर जाता है, हमे ज्यादा भूख नहीं लगती है। साथ ही ये डाइजेशन के लिए भी बहुत अच्छा होता है। लौकी और तरोई दोनों खाने से बहुत से फायदे होते हैं। इन दोनों को एनालाइज करके आज हम यह समझने वाले हैं कि इन दोनों में से कौन सी सब्जी वजन कम करने में ज्यादा मदद कर सकती हैं। 116 ग्राम कच्ची लौकी में 16 ग्राम कैलोरी होता है। इसमें विटामिन सी की मात्रा 13ः और जिंक 7.3 प्रतिशत होता है इसके साथ–साथ लौकी में पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फास्फोरस, राइबोफ्लेविन, और आयरन, जैसे कंपोनेंट्स भी पाए जाते हैं। लौकी में 96 प्रतिशत पानी होता है, और सिर्फ एक परसेंट फैट होता है। इसमें मौजूद फाइबर कंटेंट डाइजेस्टिव सिस्टम को इंप्रूव करता है। यह डाइजेस्टिव एंजाइम्स के सिक्रिशन में मदद करता है, वहीं इनमें मौजूद विटामिंस और मिनरल्स मेटाबॉलिज्म प्रोसेस को बढ़ाते हैं। वेट लॉस में मदद करते हैं।

गर्मी में आम खाने के बाद भूलकर भी न खाएं ये चीजें, पड़ जाएंगे लेने के देने

लोग भले गर्मी से तबाह रहते हैं लेकिन साल भर इस मौसम का इंतजार भी करते हैं। वजह बेशक श्आमश् है। आम के दाम कितने भी देने पड़ रहे हो लेकिन लोग इसे खाना नहीं छोड़ते। आखिर छोड़े भी तो कैसे ऐसे ही थोड़े ही इसे फलों का राजा कहा जाता है। लोग आम से कई तरह के व्यंजन तैयार करके खाते हैं। बेशक ये स्वाद में लाजवाब हो सकता है। लेकिन आम खाने के लिए कुछ बातों को ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। वैसे तो आम खाने के कई फायदे हैं। आम में एंटीऑक्सीडेंट गुण के साथ फाइबर, मिनरल्स और विटामिन आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। लेकिन इसके कुछ दुष्परिणाम भी है और यह तब नजर आता है जब आप इसे खाने के तुरंत बाद कुछ गलत चीज खा लेते हैं। आइए जानते हैं कौन सी है ये चीजे जिन्हें आम के तुरंत बाद खाने से मना किया जाता है। आम खाने के तुरंत बाद पानी पीना मंहगा पड़ सकता है। आम खाने के बाद पानी पीने से पेट संबंधित कई तरह की परेशानियां शुरू हो सकती है। इसमें पेट दर्द, अपच, पेट फूलना और एसिडिटी जैसी समस्याएं शामिल है।

हाई ब्लड प्रेशर वालों को डाल लेनी चाहिए इस पोजीशन में सोने की आदत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अनहेल्दी लाइफस्टाइल के चलते हाई ब्लड प्रेशर एक आम बीमारी बन गई है। 40 के बाद ज्यादातर लोग इस बीमारी से जूझते हैं। आमतौर पर हमारे शरीर का ब्लड प्रेशर अलग–अलग गतिविधियों के कारण दिनभर बदलता रहता है, लेकिन सामान्य व्यक्ति को इससे परेशानी नहीं होती। क्योंकि यह नॉर्मल रेंज के अंदर ही घटता और बढ़ता है। जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 140ध्90 उउध्भ्ह से ऊपर हो जाता है, तो इसे हाइपरटेंशन कहते हैं।

इसे हृदय रोग का प्रमुख कारक माना जाता है। लगातार बनी रहने वाली यह समस्या गंभीर स्थितियों में स्ट्रोक और हार्ट अटैक का कारण बन सकती है। इसलिए इसे नियंत्रित रखने के लिए आहार और जीवनशैली दोनों पर ध्यान देना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार हाइपरटेंशन को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, इसे सिर्फ कुछ उपायों को करके कंट्रोल किया जा सकता है। कम ही लोग जानते हैं कि नींद की कमी और हाई ब्लड प्रेशर के बीच कनेक्शन है। हाइपरटेंशन की स्थिति को कंट्रोल करने में आपके सोने के तरीके की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। तो आइए जानते हैं कि हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों के लिए किस पोजीशन में सोना ठीक है।

नींद और हाई ब्लड प्रेशर के बीच संबंध
हाई ब्लड प्रेशर और नींद के बीच गहरा संबंध है। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान है कि नींद की कमी हाई ब्लड प्रेशर को और खराब कर देती है। यदि व्यक्ति पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर से ग्रस्त है, तो नींद की खराब गुणवत्ता इसे बढ़ा सकती है। बता दें कि नींद स्ट्रेस हार्मोन से छुटकारा पाने का शरीर का नेचुरल तरीका है। लेकिन जब आप अच्छी गुणवत्ता वाली पर्याप्त नींद नहीं ले पाते, तो आपके हार्मोन

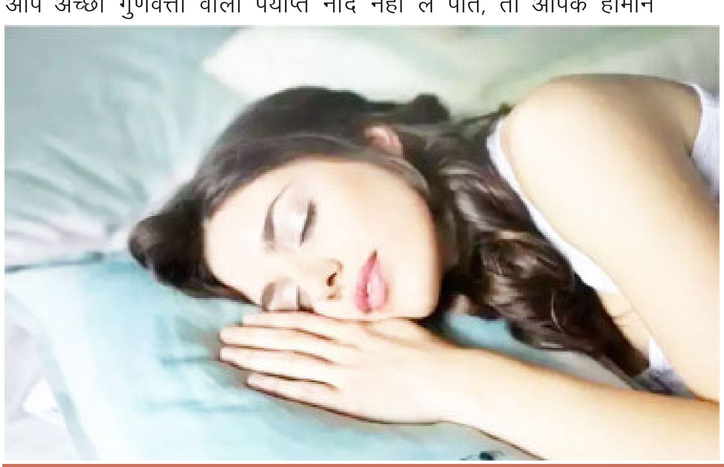

का स्तर बढ़ जाता है, जो सूजन का कारण बनता है। इससे आपकी ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ जाता है।

सोने के इस तरीके को माना जाता है फायदेमंद
जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्हें बाईं तरफ करवट लेकर सोना चाहिए। यह उनके लिए सोने की सबसे अच्छी स्थिति है। ब्लड वेसेल्स पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए इस तरह से सोना काफी फायदेमंद माना गया है।

स्लीप एपनिया वालों के लिए भी फायदेमंद
स्लीप एपनिया जैसी समस्या से राहत के लिए पेट के बल सोना अच्छा माना जाता है। इस तरीके से सोने की आदत से बहुत लाभ मिलता है।

गर्भवती महिलाओं को डालनी चाहिए बाईं ओर सोने की आदत
विशेषज्ञ हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहीं गर्भवती महिलाओं के लिए बाईं तरफ करवट लेकर सोना अच्छा मानते हैं। चूंकि बढ़ता हुआ बच्चा आंतरिक अंगों पर दबाव डालता है और सर्कुलेशन की समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे में बाईं तरफ सोने से न केवल सर्कुलेशन ठीक होगा बल्कि हाई ब्लड प्रेशर को भी कम करने में भी मदद मिलेगी।

राहत पाने के लिए नींद एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है। लगभग 7–8 घंटे की अच्छी नींद लेने से आपके ब्लड प्रेशर लेवल पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। साथ ही आपकी नींद की स्थिति भी आपके ब्लड प्रेशर लेवल में एक बड़ा अंतर लाने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

शरीर को बीमारियों का अड्डा बना देंगी Periods की ये गलतियां

पीरियड के दौरान साफ–सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पीरियड्स के दौरान स्वच्छता रखने से इन्फेक्शन की आशंका को कम किया जा सकता है। पीरियड्स के दौरान स्वच्छता न होना स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा संकट है। पीरियड्स के दौरान खून और टिश्यू के नुकसान से बैक्टीरिया की समस्या पैदा हो जाती है। यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण भी बन सकता है। 28 मई को दुनियाभर में मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश पीरियड्स के दौरान साफ–सफाई का ध्यान नहीं रखने से वाले रोगों और उनसे बचाव के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस खास अवसर पर पजैतपअम की सीईओ एंड फाउंडर और फंक्शनल न्यूट्रिशनिस्ट मुग्धा प्रधान आपको बता रही हैं कि पीरियड्स के दिनों महिलाओं को साफ–सफाई का ध्यान क्यों रखना चाहिए और ऐसा नहीं करने से क्या समस्या हो सकती है। यह एक ऐसी बीमारी है जो यूरिनरी ट्रैक्ट के किसी भी हिस्से को प्रभावित करती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन होने का जोखिम अधिक होता है। यूरिनरी ट्रैक्ट यानी मूत्राशय का इन्फेक्शन बहुत दर्दनाक हो सकता है। यदि न्ज्प आपके किडनी में फैलता है, तो इसके अत्यधिक नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

बड़ी टीमें पहले ही बाहर

मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स– आईपीएल के इतिहास में ये तीन टीमें ही एक बार से ज्यादा खिताब जीत पाई हैं। इस बार ये तीनों टीमें काफी पहले ही खिताबी दौर से बाहर हो गई थीं। पांच बार चौंपियन रह चुकी मुंबई इंडियंस तो लीग फेज के आधे मुकाबलों के बाद ही अगले सीजन की तैयारियों में लग गई थी। पूरे सीजन का सबसे नीरस मुकाबला फाइनल में देखने को मिला।

सबसे एकतरफा क्यों रहा आईपीएल का 15वां सीजन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल का 15वां सीजन खत्म हो गया। दो महीने तक चले टूर्नामेंट को आखिर एक नया चैंपियन मिला। कुछ नए सितारे उभरे तो कुछ जमे–जमाए सितारे अपनी साख के अनुरूप परफॉर्मेंस नहीं दिखा पाए। करीब आधे मैचों का फैसला अंतिम ओवर में जाकर हुआ। कभी राशिद खान ने बैटिंग से अपनी टीम को मैच जिताया तो कभी हार्दिक पटेल ने अपनी बॉलिंग से। इसके बावजूद आईपीएल का यह सबसे एकतरफा सीजन रहा, क्योंकि पूरे टूर्नामेंट के दौरान सरप्राइज एलिमेंट की कमी दिखी। हार्टिक पटेल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। अपने पहले पांच मुकाबले जीतकर गुजरात की टीम ने पहला स्थान हासिल कर लिया और अंत तक इसमें कोई बदलाव नहीं दिखा। लीग फेज के बीच में लखनऊ सुपरजाएंट्स एकाध बार चुनौती देती जरूर नजर आई, लेकिन अंतिम दौर में पिछड़ गई। गुजरात टाइटंस के कई मुकाबले तो इतने एकतरफा थे कि पहले 20 ओवरों के बाद ही नतीजे को लेकर खास संदेह नहीं था।

कौन हैं वो लोग... नेहरा ने कसा तंज

नीलामी के बाद गुजरात के सबसे कमजोर मान रहे थे आलोचक

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अहमदाबाद। आईपीएल 2022 की नीलामी में बाद कोई टीम सबसे कमजोर मानी जा रहा थी तो वह गुजरात टाइटंस थी। किसी ने लीग शुरू होने से पहले हार्दिक पंड्या की टीम को भाव नहीं दिया था। टीम के पास न तो दिग्गज बल्लेबाज थे और ना ही गेंदबाजी में बड़े–बड़े सुपर स्टार। इसके बाद भी गुजरात ने पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहकर प्लेऑफ में जगह बनाई और अंत में प्लेऑफ में बिना कोई मुकाबला हारे विजेता की ट्रॉफी उठा ली।

कौन हैं वो लोग?: गुजरात टाइटंस के विजेता बनने के बाद टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच आशीष नेहरा ने बात की। हार्दिक पंड्या जीत के बाद कहा– लोगों ने बोला थोड़ा बॉलिंग कम है, थोड़ा बैटिंग कम है लेकिन ठीक है लोगों ने बोला। हार्दिक को बीच में रोकते हुए आशीष नेहरा ने सवाल कर दिया कि कौन हैं वो लोग। इसपर दोनों हंसने लगे। इसपर हार्दिक ने कहा कि अब तो ट्रॉफी है तो ठीक है।

खुशः आशीष नेहरा आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय मुख्य कोच हैं।

ट्रॉफी से ज्यादा खेलने के तरीके से उनका मानना है कि ट्रॉफी जीतने से ज्यादा अच्छी बात है कि जिस तरीके से उनकी टीम ने खेला। नेहरा जी ने कहा, ट्रॉफी जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण है जिस तरीके से हमने खेला। पहले क्वालीफाई किया और जिस तरह से खेला यह पहले साल आसान नहीं होता है। सभी लड़कों ने अच्छा खेल दिया और जल्दी घुल–मिल गए।

हार्दिक ने की नेहरा की तारीफः आशीष नेहरा की तारीफ में हार्दिक पंड्या ने कहा, लोगों को बहुत कम यह बात पता है। आशीष नेहरा पहला बंदा है, जो प्रैक्टिस पर जाता है, तो सबकी बैटिंग होने के बाद सामान्य सवाल होता है कि सभी की बैटिंग हो गई है, चलो चलते हैं। मगर नेहरा का सवाल होता है कि कितना मिनट बाकी है... 20 मिनट बाकी है, चलो दोबारा बैटिंग करो। हमारे शानदार प्रदर्शन का पूरा क्रेडिट नेहरा को जाता है, क्योंकि उन्होंने हर बंदे को दिल से मेहनत कराई है। हार्दिक की सुनकर नेहरा ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है, झूठ बोल रहा है ये। इसके बाद वे उठकर चले गए।

भारत के भविष्य के कप्तानी उम्मीदवार हार्दिक पांड्य को लोग क्यों करते हैं प्यार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या एक बेहरतरीन आलराउंडर हैं और टीम इंडिया के लिए किए अपने प्रदर्शन के जरिए उन्होंने लोगों से खूब प्यार और सम्मान हासिल किया है। अब गुजरात की कप्तानी करते हुए इस टीम को चौंपियन बनाकर उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी पैठ और गहरी कर ली। आइपीएल से पहले खराब फिटनेस से जूझ रहे हार्दिक ने जिस तरह से कमबैक किया वो अपनेआप में कमाल है। उन्होंने इस आइपीएल सीजन में बतौर कप्तान को खुद को साबित किया ही एक आलराउंडर के तौर पर भी जो उनकी पुरानी छवि थी उसे भी वापस पा लिया।

हार्दिक पांड्या ने आइपीएल 2022 फाइनल में अपनी टीम के लिए शानदार आलराउंड प्रदर्शन किया और टीम को जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया और उनके इस प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने उनकी जमकर तारीफ की। हार्दिक पांड्या ने इस सीजन में खेले 15 मैचों में 487 रन बनाए इनमें उन्होंने 8 विकेट भी लिए। इसमें से भी तीन विकेट तो उन्होंने फाइनल में ही लिए थे।

सहवाग ने कोचिंग स्टाफ की भी तारीफ की

सहवाग ने बताया कि भारतीय आलराउंडर और टीम इंडिया की भविष्य की कप्तानी के उम्मीदवार हार्दिक पांड्या का आफ–फील्ड व्यक्तित्व बिल्कुल अप्रासंगिक क्यों है। सहवाग ने क्रिकबज से बात करते हुए कहा कि मैदान के बाहर का व्यक्तित्व मायने नहीं रखता, यह बिल्कुल अप्रासंगिक है क्योंकि इससे मैदान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। हार्दिक पांड्या इस सीजन में तीनों विभागों में अलग ही नजर आए। लोग पांड्या को उन चीजों के कारण प्यार करते हैं जो वह मैदान पर करते हैं, न कि मैदान के बाहर। सहवाग ने गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ की भी तारीफ की।

सहवाग ने कहा कि ऐसा नहीं है कि जीटी में स्टार–स्टडेड कोचिंग स्टाफ था। गैरी कर्स्टन के अलावा वे अपेक्षाकृत अनुभवहीन थे। लेकिन, उन्होंने अपनी भूमिका वास्तव में अच्छी तरह से निभाई। उन्होंने खिलाड़ियों का वास्तव में अच्छा समर्थन किया है।

संगकारा की हार... 11 साल बाद खुद को दोहराता इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 का खिताब जीता। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली इस टीम ने पहले सीजन की विजेता राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया। इससे 11 साल पहले 2011 में भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता था। टीम ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराया था। भारत की उस जीत और गुजरात की इस जीत में कई समानताएं हैं। गुजरात टाइटंस के लिए नंबर–7 जर्सी पहनने वाले शुभमन गिल ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 19वें ओवर की पहली गेंद पर तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय के खिलाफ छक्का लगाया। इस छक्के के साथ ही गुजरात ने खिताब जीत लिया। 2011 में भी कुछ ऐसा ही हुआ था। भारत के लिए नंबर–7 जर्सी पहनने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने तेज गेंदबाज नुवान कुलसेकरा की गेंद पर छक्का लगाकर भारतीय टीम को ट्रॉफी दिलाई थी। उस समय भारतीय टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के गैरी क्रस्टन थे और आशीष नेहरा टीम का हिस्सा था।

न्यूज डायरी

दिनेश कार्तिक बने सुपर स्ट्राइकर आफ द सीजन, ईनाम में मिली कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सीनियर विकेटकीपर–बल्लेबाज दिनेश कार्तिक आइपीएल 2022 में आरसीबी टीम का हिस्सा बने। इस सीजन में आरसीबी के साथ जुड़ने के बाद दिनेश कार्तिक एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए और विकेट के आगे यानी बल्लेबाजी में जमकर अपना जौहर दिखाया। दिनेश कार्तिक ने इस सीजन में आरसीबी के लिए फिनिशर की भूमिका बेहतरीन तरीके से निभाई और उन्हें जितना भी मौका मिला उसमें उन्होंने दमदार बल्लेबाजी की। उनके इस प्रदर्शन की वजह से ही उन्हें आइपीएल 2022 में बेस्ट स्ट्राइकर आफ द सीजन चुना गया साथ ही उन्हें ईनाम के तौर पर कार मिली। दिनेश कार्तिक ने आरसीबी की तरफ से इस सीजन में 16 मैचों की 16 पारियों में 55.00 की औसत और 183.33 की स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए। वो 16 पारियों में 10 बार नाट आउट रहे और एक अर्धशतक लगाया।

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद भी शांत नहीं हुई हार्दिक पंड्या की भूख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अहमदाबाद। हार्दिक पंड्या ने कप्तान के रूप में डेब्यू सीजन में ही आईपीएल का खिताब जीत लिया है। 2015 जब हार्दिक ने मुंबई इंडियंस के लिए खिलाड़ी के रूप में आईपीएल डेब्यू किया था, तब भी वे ट्रॉफी जीते थे। टी20 वर्ल्ड कप के बाद से क्रिकेट के मैदान से दूर चल रहे हार्दिक पंड्या ने शानदार वापसी की। उन्होंने गेंदबाजी, बल्लेबाजी और कप्तान में कमाल करते हैं गुजरात को डेब्यू सीजन में ही आईपीएल चैंपियन बना दिया। गुजरात टाइटंस को आईपीएल ट्रॉफी दिलाने के बाद हार्दिक पंड्या ने अपना अगला टारगेट बताया है। हार्दिक ने फाइनल के बाद कहा कि उनका लक्ष्य भारत के लिए वर्ल्ड कप जीतना है। उन्होंने कहा, श्भारत के लिए विश्व कप जीतने के लिए चाहे कुछ भी हो जाए। मैं वह सब कुछ देने जा रहा हूं जो मेरे पास है। हमेशा उस तरह का खिलाड़ी रहा हूं, जो टीम को पहले रखता है। हार्दिक पंड्या के अनुसार चाहे वह कितने भी इंटरनेशनल मैच खेल लें, लेकिन देश के लिए खेलना हमेशा ही सपने की तरह होता है। उन्होंने कहा– भारत के लिए खेलना हमेशा से एक सपने के सच होने जैसा रहा है।

फाइनल जीतने के बाद दौड़कर पति के गले लगी नताशा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर ट्राफी पर कब्जा जमाया। पहली बार टूर्नामेंट में खेलने उतरी टीम ने आशीष नेहरा की कोचिंग में यह कमाल कर दिखाया। फाइनल मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी से उनको 130 रन के स्कोर पर रोका और फिर 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर इतिहास के पन्नें में नाम लिखवाया। रविवार 29 मई को आइपीएल 2022 के फाइनल में गुजरात ने कप्तान हार्दिक के आलराउंडर प्रदर्शन के दम पर जीत दर्ज की। गेंदबाजी करते हुए उन्होंने पहले 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए और फिर बल्लेबाजी में हाथ दिखाते हुए 34 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन की वजह से उनको फाइनल जैसे अहम मुकाबले में प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मैच खत्म होने के बाद हार्दिक की पत्नी नताशा भावुक नजर आई और पति के गले लगी रही।

धोनी स्टाइल में फिनिशिंग, फिर कोहली को किया कॉर्पी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में पहली बार टूर्नामेंट में खेल रही गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में गुजरात ने पूरे फाइनल मुकाबले में एक बार भी राजस्थान रॉयल्स को मौका नहीं दिया और जीत के साथ ही ट्रॉफी अपने नाम कर ली। यह मुकाबला गुजरात के बल्लेबाज शुभमन गिल के छक्के के साथ समाप्त हुआ।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में आए कोरोना के छह नए मामले

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में सोमवार को कोरोना के छह नए मामले मिले हैं, जबकि 26 मरीज भी स्वस्थ हुए हैं। कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं, आज संक्रमण दर 0.35 प्रतिशत रही है। प्रदेश में फिलवक्त कोरोना के 54 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 31, जबकि हरिद्वार में छह और नैनीताल में में सक्रिय मामले हैं। वहीं, अल्मोड़ा, टिहरी और ऊधमसिंह नगर में कोरोना का कोई सक्रिय मामला नहीं है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में निजी व सरकारी लैब से 1693 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिनमें 1687 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

14 जून से देहरादून विधानसभा में होगा सत्र

संवाददाता देहरादून। विधानसभा का आगामी सत्र ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण (भराड़ीसैंण) के स्थान पर अब 14 जून से देहरादून में होगा। प्रदेश सरकार ने सत्र का स्थान और उसकी तारीख बदल दी है। सरकार ने विधानसभा सत्र गैरसैंण में सात जून से करने का निर्णय किया था। इस परिवर्तन का प्रमुख कारण बीच सत्र में राज्यसभा चुनाव, चारधाम यात्रा पर भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं की व्यवस्था का दबाव और सभी जिलों में चल रही पुलिस भर्ती को माना जा रहा है।

घायल पशुओं के लिए मसीहा बन रहे दून एनिमल वेल्फेयर के सदस्य

संवाददाता देहरादून। आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति के पास कार्य अधिक और समय कम है, जिस कारण हर व्यक्ति कार्य में जल्दबाजी करता है। जिसमें वाहन चलाना भी शामिल है , कुछ वाहन चालक जल्दी में, तो कुछ वर्तमान के नवयुवक दिखावे के लिए और तो कुछ अनुत्तरदायी व्यक्ति नशे में इतनी तेज गति में वाहन को चलाते है जिनका परिणाम उन मासूम , बेजुबान ,निआश्रित पशुओं को भुगतना पड़ता हैं जो की निर्दोष है।

विकास लाइफकेयर लिमिटेड ने क्यूआईबी इश्यू की घोषणा की

संवाददाता देहरादून। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध विकास लाइफकेयर लिमिटेड ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि कंपनी की बोर्ड की फंड जुटाने वाली समिति ने 25 मई, 2022 को हुई अपनी हालिया बैठक में 500 मिलियन रुपये तक के क्यूआईबी इश्यू को मंजूरी दे दी है। शेष 1500 मिलियन रुपये की राशि आगे चरणबद्ध तरीके से कंपनी एकत्रित करेगी। कंपनी ने सेबी के नियमों के तहत निर्धारित मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के आधार पर इश्यू के फ्लोर प्राइस को 4.20 रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर मंजूरी दी।

उत्तराखंड तक पहुंची सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस की जांच

गिरफ्तार

■ हत्या मामले में एक आरोपित देहरादून से गिरफ्तार

■ पंजाब एटीएस और उत्तराखंड पुलिस को मिली सफलता

संवाददाता

देहरादून। पंजाब में कांग्रेस नेता व गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का एक आरोपित को देहरादून से गिरफ्तार किए जाने की सूचना मिल रही है। पंजाब एसटीएफ ने उत्तराखंड पुलिस के साथ संयुक्त आपरेशन के बाद शिमला बाईपास नयागांव पेलियो से आरोपित को पकड़ा है।

सिद्धू मूसेवाला रविवार शाम अपने चचेरे भाई व दो साथियों के साथ अपनी थार गाड़ी से जा रहे थे। तभी एक गाड़ी उनकी गाड़ी के सामने आकर रुकी और उसमें से उतरे अज्ञात लोगों ने गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलियों के चलने की आवाज सुनकर गांव में दहशत का माहौल हो गया। गोलियां ऐसे चलाई गईं, जैसे शादी में पटाखे चलते हों।

दून जनपद के नयागांव क्षेत्र से किया गिरफ्तार

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या करने वाले आरोपितों का सहयोग करने वाले कुछ आरोपितों को एसटीएफ उत्तराखंड और पंजाब की टीम ने देहरादून जनपद के नयागांव क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपितों का दिया था सहयोग बताया जा रहा है कि आरोपितों ने मूसेवाला की हत्या करने वाले आरोपितों का सहयोग दिया था और घटना के बाद देहरादून पहुंच गए थे। पंजाब की एसटीएफ को सूचना मिली की आरोपित देहरादून में हैं तो पंजाब की एसटीएफ ने उत्तराखंड की एसटीएफ से संपर्क किया।

आरोपितों को पंजाब पुलिस अपने साथ ले गईः दोपहर से नयागांव क्षेत्र में नाकेबंदी की गई। आरोपित शिमला बाईपास रोड से हेमकुंड साहिब की तरफ जा रहे थे तो दोनों राज्यों की पुलिस ने उन्हें रास्ते से गिरफ्तार करके पूछताछ के लिए नयागांव पुलिस चौकी ले गई। जहां उनसे पूछताछ की गई। इसके बाद गिरफ्तार किए गए आरोपितों को पंजाब पुलिस अपने साथ ले गई है।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि एक पुख्ता सूचना के आधार पर एक संदिग्ध वाहन रोका गया। कार में कुछ संदिग्ध लोग सवार थे और वाहन पंजाब नंबर का था। सूचना पर नयागांव क्षेत्र में वाहन को पकड़ा गया।

वाहन में सवार एक संदिग्ध जो कि पंजाब के सनसनीखेज मर्डर में जुड़ा होने की संभावना है, को पंजाब पुलिस की एंटी गैंग टीम पूछताछ के लिए ले गई है। प्रकरण संवेदनशील है और पंजाब की घटना से जुड़ा है, इसलिए इसमें ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता।

सीएम धामी बाइक पर सवार होकर किया चुनावी प्रचार

संवाददाता चंपावत। उपचुनाव से एक दिन पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी पूरे जोर शोर के साथ चुनाव प्रचार के लिए उतरे। सोमवार को वह समर्थकों के साथ बाइक पर डोर टू डोर प्रचार करने निकले। इससे पहले उन्होंने जगन्नाथ चौराहा स्थित महादेव की दुकान में चाय की चुस्की ली। कल मंगलवार को चंपावत में उपचुनाव होना है। सीएम धामी यहां लगातार जनसभाएं कर लोगों से समर्थन जुटा रहे हैं। सोमवार को चुनाव से एक दिन पहले वह समर्थकों के साथ प्रचार में पूरी ताकत झोंकते नजर आए। करीब 863 साल तक चंद राजवंश की राजधानी रहा चंपावत अब फिर उत्तराखंड की सत्ता की धुरी बन रहा है। 31 मई को हो रहे उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पहली बार चुनावी मैदान में उतरी कांग्रेस की निर्मला गहतोड़ी चुनौती दे रही हैं।

चारधाम यात्रा में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

चारधाम दर्शन

■ अभी तक दर्शन को पहुंचे साढ़े 12 लाख तीर्थयात्री

संवाददाता

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। अभी तक साढ़े 12 लाख तीर्थयात्री उत्तराखंड चारधाम दर्शन के लिए पहुंचे हैं। 29 मई देर रात्रि तक 12 लाख 41 हजार से अधिक श्रद्धालु चारधाम पहुंचे। सोमवार को यह आंकड़ा साढ़े 12 लाख से अधिक पहुंच गया। चारो धामों में यात्रा सुचारु है तथा मौसम सामान्य है।

अब तक गंगोत्री-यमुनोत्री पहुंचे 4,15,474 तीर्थ यात्रीः 29 मई तक गंगोत्री–यमुनोत्री पहुंचे तीर्थ यात्रियों की संख्या 4,15,474 रही। 29 मई रात्रि तक उत्तराखंड चारधाम पहुंचे संपूर्ण तीर्थ यात्रियों की संख्या 12,41,198 है। कपाट खुलने की तिथि 22 मई से 29 मई तक श्री गुरुद्वारा हेमकुंट साहिब एवं लोकपाल तीर्थ पहुंचे तीर्थ यात्रियों की संख्या 18,847 रही है। यह जानकारी बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने दी।

श्रद्धालुओं की मदद कर रही संस्थाएंः प्रशासन की ओर से तमाम व्यवस्था होने के बावजूद पंजीकरण केंद्र के बाहर श्रद्धालु धूप में लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। गर्मी में परेशान श्रद्धालुओं को राहत पहुंचाने के लिए लायंस क्लब रायल की ओर से पानी की बोतलें उपलब्ध कराई गई।

इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष हिमांशु अरोड़ा, वरिष्ठ सदस्य धीरज मखीजा सुशील छाबड़ा, अभिनव गोयल, सुमित चोपड़ा, अतुल जैन आदि मौजूद रहे। इतना ही नहीं स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से श्रद्धालुओं को दो समय का भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

केदारनाथ में अब तक 3,97,933 तीर्थयात्रियों ने किए दर्शन

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, बदरीनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि आठ मई से 29 मई शाम तक 4,27,791 तीर्थयात्री धाम पहुंचे हैं। केदारनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि छह मई से 29 मई शाम तक 3,97,933 तीर्थयात्री दर्शन को पहुंचे। इसमें हेलीकाप्टर से पहुंचे 40,960 तीर्थयात्री भी शामिल हैं। वहीं, गंगोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि ती मई से 29 मई तक 2,38,342 और यमुनोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि तीन मई से 29 मई तक 1,77,132 तीर्थयात्री यमुनोत्री पहुंच गए है। 29 मई देर रात तक बदरीनाथ–केदारनाथ पहुंचने वाले कुल तीर्थ यात्रियों की संख्या का योग 8,25,724 है।

चारधाम यात्रा 2022 के लिए रजिस्ट्रेशन में फर्जीवाड़ा

संवाददाता ऋषिकेश। चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ आनलाइन पंजीकरण के नाम पर धोखाधड़ी नहीं रुक पा रही है। ऐसे ही दो मामलों में ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने एक ट्रैवल एजेंट और एक ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। वर्तमान में चल रही चार धाम यात्रा में कुछ ट्रैवल एजेंसी और उनके एजेंट यात्रियों का फर्जी रजिस्ट्रेशन कर धोखाधड़ी कर रहे हैं। इस तरह के मामले सामने आने के बाद पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार पूर्व में ही ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई के निर्देश जारी कर चुके हैं।

बीते रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खंडूड़ी ने भी ऋषिकेश आकर अधिकारियों को ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए थे। ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने अलग–अलग दो मामलों में हरिद्वार के एक ट्रैवल एजेंट और मुरैना मध्य प्रदेश की एक ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

In a Digital World Why To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices

All Apple Touch Phones & Tablets

All Android Touch Phones & Tablets

All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code

Read News

Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप चौधरी द्वारा एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।

संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701

pagethreedaily@gmail.com

आर.एन.आई.नं0 UTTHIN\2005\15735

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।